वित्तीय समावेशन सूचकांक 2022

वित्तीय समावेशन सूचकांक
(Financial Inclusion Index)

जारीकर्त्ता:

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)
  - *कोई 'आधार वर्ष' नहीं*
  - *शुरुआत: वर्ष 2021 में*
  - *प्रकाशन का समय: प्रत्येक वर्ष जुलाई माह*

सूचकांक में शामिल क्षेत्र:

- बैंकिंग
- निवेश
- बीमा
- डाक एवं पेंशन क्षेत्र

मापदंड:

- पहुँच (35%)
- उपयोग (45%)
- गुणवत्ता (20%)

2022 के निष्कर्ष:

- भारत का वित्तीय समावेशन सूचकांक वर्ष 2021 के 53.9 से बढ़कर वर्ष 2022 में 56.4 हो गया है।

वित्तीय समावेशन हेतु पहलें:

- प्रधानमंत्री जन धन योजना
- डिजिटल पहचान (आधार)
- राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र (NCFE)
- वित्तीय साक्षरता केंद्र (CFL) अभियान

वित्तीय समावेशन क्या है?

- संस्थागत अभिकर्त्ताओं द्वारा पारदर्शी तरीके से कमजोर समूहों के लिये आवश्यक वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक सस्ती कीमत पर पहुँच सुनिश्चित करना।
- यह अवधरणा सर्वप्रथम 2005 में RBI द्वारा प्रस्तुत की गई थी।
- विश्व बैंक चरम गरीबी को कम करने और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय समावेशन को एक महत्त्वपूर्ण उपकरण मानता है।

और पढ़ें.....

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/financial-inclusion-index-2022-1